|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| 25. August 2024 | | |
| **21. Sonntag im Jahreskreis B** | | |
| Erste Lesung: Jos 24,1-2a.15-17.18b; Zweite Lesung: Eph 5,21-32; Evangelium: Joh 6,60-69 | | |
|  |  |  |
| Eröffnung: | GL 400, 1+2 | Ich lobe meinen Gott |
|  |  |  |
| Kyrie: | GL 137 | Herr, erbarme dich |
|  |  |  |
| Gloria: | GL 169 | Gloria, Ehre sei Gott |
|  |  |  |
| Antwortgesang: | Ps 34,2-3.16-23 | |
|  | Kehrvers: |  |
|  | GL 39, 1 | Kostet, kostet und seht |
|  | oder Lied: |  |
|  | GL 450 | Gottes Wort ist wie Licht |
|  |  |  |
| Halleluja-Ruf: | Ruf: GL 174, 8 |  |
|  | Vers: |  |
|  | *Deine Worte, Herr, sind Geist und Leben.* | |
|  | *Du hast Worte des ewigen Lebens.* | |
|  |  | |
| Credo: | GL 456, 1+2+4 | Herr, du bist mein Leben |
|  | Sprechen |  |
|  |  |  |
| Gabenbereitung: | GL 184, 1-3 | Herr, wir bringen in Brot und Wein |
|  |  |  |
| Sanctus: | GL 138 | Heilig |
|  |  |  |
| Agnus Dei: | GL 139 | Lamm Gottes |
|  |  |  |
| Danksagung: | GL 451, 1-3 | Komm Herr, segne uns |
|  |  |  |
| Schluss: | GL 522, 1+2 | Maria aufgenommen ist |
|  | GL 536, 1+5 | Gegrüßet seist du, Königin |